Lec-5

Lec-5 Dr. Parikshit Kr Singh 1.
Associate Prof.
Dept. of L.S.W.
SNS RKS College, Saharsa

आधुनिक उद्योगों में प्रशिक्षण के महत्व

औद्योगीकरण के साथ ही वैज्ञानिक एवं तकनीकी विधियों का विकास हुआ। व्यवसाय के क्षेत्र में वैज्ञानिक विधिओं का प्रयोग, कार्य संगठन, उत्पादन प्रणाली के परिवर्तन के कारण व्यक्ति को अपने आप में शीघ्रातिशीघ्र परिवर्तन करने पड़ते हैं। विशिष्ट कौशल एवं प्रशिक्षण प्राप्त कर उसे नयी मशीनों पर अपने आपको कार्य के योग्य बनाना पड़ता है।

आज के औद्योगिक संसार में उद्योग एवं कर्मचारियों के सुदृढ़ अस्तित्व के लिए तीव्र गति से होने वाले विकास के साथ दौड़ना अत्यन्त आवश्यक है। आज वैज्ञानिक विकास की चरम सीमाओं ने औद्योगिक क्षेत्र में जो क्रान्ति उत्पन्न की है, उसको समझने एवं उसके अनुरूप औद्योगिक क्रियाओं को बढ़ाने के लिए केवल अनुभव अथवा परिश्रम ही काफी नहीं है अपितु ऐसे प्रशिक्षण की भी आवश्यकता है जिसमें व्यवहारिक ज्ञान प्राप्ति के साथ-साथ सैद्धान्तिक अध्ययन की गहराइयों को भी मापा जाना सम्भव हो ताकि कर्मचारियों के मस्तिष्क में बुनियादी परिवर्तन लाया जा सके और उनको औद्योगिक जटिलताओं का सफलतापूर्वक सामना करने के योग्य बनाया जा सके। इस सम्बन्ध में ऑलिवर शेल्डर ने अपने विचार प्रकट करते हुए लिखा है कि, "कर्मचारियों

Scanned with CamScanner

को प्रेरित करके, दायित्व में भाग देकर, उच्च प्रयत्नों का उदाहरण प्रस्तुत करके, उत्साह पैदा करके, कार्य के सामाजिक महत्व की स्थापना करके, उच्च मानवीय आदर्शों का अनुगमन करके, तनाशाही के स्थान पर सहयोग और सद्भावना से कार्य लेकर प्रबन्धक औद्योगिक प्रतिष्ठान को ही एक स्कूल बना सकते हैं।

आधुनिक उद्योगों में प्रशिक्षण के महत्व को हम इस प्रकार देख सकते हैं:—

(1) कर्मचारियों की उत्पादकता में वृद्धि हेतु :- प्रशिक्षण कर्मचारियों को कार्य करने का ढंग सिखाता है, जिससे उनकी कार्य क्षमता में वृद्धि होती है एवं दुर्घटनाओं में कमी आती है तथा वे बिना किसी अवरोध के कम से कम समय में अधिक से अधिक कार्य करने की योग्यता प्राप्त करते हैं।

(2) कर्मचारियों के विकास हेतु:- प्रशिक्षण कर्मचारियों के ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि करता है जिससे उनकी गतिशीलता में वृद्धि होती है, उनकी उन्नति की सम्भावनाओं का विकास होता है एवं उनके विचारों में प्रगतिशीलता उत्पन्न होती है।

(3) कर्मचारियों का मनोबल ऊँचा उठाने के लिए :—

प्रशिक्षण कर्मचारियों की कार्य-कुशलता में वृद्धि करता है जिससे उन्हें आत्म संतुष्टि होती है तथा उनका मनोबल ऊँचा उठता है। प्रशिक्षण कर्मचारियों में स्वाभिमान की

Scanned with CamScanner

भावना जागृत कर उन्हें संस्था के प्रति आस्थावान एवं निष्ठावान बनाता है।

(4) पर्यवेक्षण में कमी करने के लिए :- प्रशिक्षण द्वारा कर्मचारियों की कुशलता, योग्यता एवं अनुभव में वृद्धि होती है जिसके परिणामस्वरूप उनमें कार्य करने की जिम्मेदारी का विकास होता है और पर्यवेक्षण की आवश्यकताओं में कमी आती है

(5) दुर्घटनाओं में कमी करने के लिए :- कर्मचारियों को प्रशिक्षण द्वारा कार्य करने सही ढंग सिखाया जाता है। उन्हें बताया जाता है कि मशीनों का संचालन किस प्रकार किया जाना चाहिए तथा किन-किन सावधानियों को बरता जाना चाहिए। सही ढंग से कार्य करने एवं आवश्यक सुरक्षात्मक उपायों को अपनाने से दुर्घटनाओं में कमी आती है।

(6) संगठनात्मक स्थिरता लाने के लिए - प्रशिक्षण संगठनात्मक स्थिरता को जन्म देता है। प्रशिक्षण के पश्चात् कर्मचारी अपने समकक्ष अथवा अपने से ऊपर के पद को सम्भालने के योग्य हो जाते हैं। तथा रिक्त होने वाले पदों के कर्मचारियों की नियुक्ति सम्बन्धी समस्या का समाधान करते हैं। केवल यही नहीं, प्रशिक्षण संगठन में कार्य की निरंतरता को जन्म देकर उसकी आयु में भी वृद्धि करता है।

Scanned with CamScanner

इस प्रकार कहा जा सकता है कि आज की औद्योगिक अवस्था में कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण उतना ही आवश्यक है जितना कि सामाजिक प्राणी के लिए सामाजिक नियमों एवं परम्पराओं का ज्ञान आवश्यक होता है। प्रशिक्षण रहित कर्मचारी ऐसे घोड़ों के समान होते हैं जिन्हें बोझा ढोने के काम में लाया जा सकता है, परन्तु युद्ध क्षेत्र में उनकी उपयोगिता प्रदान करने के स्थान पर हानिकारक ही सिद्ध होते हैं।

"प्रशिक्षण समस्या समाधान का एक साधन है। वास्तव में हमारे देश की जन-शक्ति उत्पादन क्षमता का मूल्यांकन शिक्षा एवं प्रशिक्षण के आधार पर ही किया जा सकता है। यह एक प्राचीन मान्यता है कि यदि कुछ अच्छा है तो अधिकांश उससे भी अच्छा है। जिस प्रकार स्वास्थ्य को बनाने के लिए विटामिन की गोलियाँ लाभ दायक होती हैं, ठीक उसी प्रकार जन-शक्ति समस्याओं के निराकरण के लिए प्रशिक्षण लाभदायक है।" प्रशिक्षण सुविधाओं को अधिक या कम मात्रा में प्रदान करने का अर्थ प्रशिक्षण के सफल को अधिक या कम समझना है।

प्रशिक्षण एक अच्छी प्रबन्ध प्रणाली का मूल मन्त्र है। यदि प्रबन्धक कर्मचारियों से कार्य, अधिक उत्पादन प्राप्त करना चाहते हैं, उनके द्वारा बनाई गई वस्तुओं की किस्म अच्छी बनाना है तो प्रशिक्षण अत्यन्त आवश्यक है। प्रशिक्षण द्वारा कर्मचारी को न केवल कार्य के प्रति सामान्य ज्ञान प्राप्त होता है, अपितु उन्हें सौंपे गए कार्य में रुचि भी उत्पन्न होती है। सफल करने की क्षमता, वर्तमान उत्पादन प्रणालियों में सुधार करने की योग्यता तथा उत्पादन की किस्म में सुधार करने की दृष्टा में मार्ग दर्शन मिलता है। प्रशिक्षण से कर्मचारी का सामयिक मूल्यांकन एवं निरीक्षण सम्भव होता है। प्रशिक्षण के फलस्वरूप सम्भावित पदोन्नतियाँ, कौशल की आवश्यकता आदि के बारे में जानकारी प्राप्त हो जाती है।

Scanned with CamScanner